R.N.I. 64632/96

# हिन्द प्रहरी

चंडीगढ़ से प्रकाशित

टेस्ट इश्यू

क्या आप सबसे अलग सोच सकते हैं, आपमें भी रचनात्मकता है....? अगर इस सवाल का जवाब 'हां' है, तो हम आपको दिलाएंगे शोहरत.... . जानिए कैसे- पेज 8 पर

चित्रलेखा अग्रवाल

अभिनंदन दोस्तों, हिन्द प्रहरी का पहला अंक आपके हाथों में है। इसे पढ़िए, इसे जानिए, इसे परखिए। हमें उम्मीद है कि हिन्दुस्तान के विविध रंगों से सजे हिन्द प्रहरी को आप उस गुनगुनी धूप की तरह पाएंगे जिसका सर्दी के दिनों में हम सबको बेहद इंतज़ार रहता है।

हमारे अपने हिन्दुस्तान देश की कुछ खास खबरों के साथ-साथ हिन्द प्रहरी आपको उन देशों के बदलावों, संस्कृति और रोचक घटनाओं की जानकारी भी देगा जहां आपके संबधी और रिश्तेदार पढ़ाई या नौकरी के लिए गए हुए हैं या फिर हमेशा के लिए बस चुके हैं। बाकी खबरें तो आप अन्य दैनिक समाचार पत्रों में भी पढ़ लेते होंगे लेकिन हिन्द प्रहरी आपको आम से खास बन चुके लोगों के साहस, जीवटता, भाग्य-दुर्भाग्य, बुद्धिमानी, ज्ञान-अज्ञान की बातों, कहानियों और उन महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुद्दों से अवगत कराएगा जो राजनीतिक पार्टियों, बॉलीवुड सितारों और ज्यादा बिकने वाली खबरों के बीच कहीं खो गए हैं। आज की तारीख में जब सोशल मीडिया एक बेहद सशक्त संचार माध्यम बन कर उभरा है, ऐसे में हमने आपके हिन्द प्रहरी में सोशल मीडिया की साइट्स रंग रही बातों को भी रखने की कोशिश की है। आप ही लोगों के ब्लॉग्स को भी जगह दी है जिसमें आप बेझिझक अपनी बातें रखते हैं। हमारे लेखक भी आप और हम जैसे ही लोग है जिन्होंने नई सोच और रचनात्मकता के साथ अपनी बातें रखी हैं।

पहला अंक हमारी टीम का प्रयास है और हम चाहते हैं कि अगले अंक आपकी पंसद और प्रयासों को आवाज़ दे। आपका हिन्द प्रहरी आपके हाथों में है। हमें सुझाव दीजिए, हमारी प्रशंसा कीजिए या हमारी आलोचना कीजिए और हमें अपने अनुसार संवारिए। आप जो चाहते हैं, जैसा चाहते हैं, आपको वहीं और वैसे ही कलेवर में पढ़ने को मिलेगा। बस हमें अपनी इच्छाओं और अमूल्य राय से अवगत कराते रहिए। हिन्द प्रहरी को प्यार देते रहिए। आपका हर सुझाव सिर माथे। हमें यहां लिखिए- hindprahari.chd@gmail.com

## जानलेवा पेंटावैलेंट वैक्सीन ? ? ? ?

## दो सालों में टीकाकरण के बाद गई 54 बच्चों की जान, आखिरकार पहली बार सरकार ने भी माना पेंटावैलेंट टीकाकरण से जुड़े हैं तीन बच्चों की मौत के मामले

दिसंबर 2011 में भारत के इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम में शामिल की गई फाइव-इन-वन पेंटावैलेंट वैक्सीन के टीकाकरण के बाद अब तक नौ राज्यों में 54 नवजात शिशुओं की जाने जा चुकी हैं। इस जानलेवा टीके के प्रभावों, कारगरता, सुरक्षा और भारत में इसकी ज़रूरत पर सवाल उठाने वाले जन स्वास्थ्य विशेषज्ञो को 'एंटी वैक्सीन लॉबी' कहकर खारिज करने वाला स्वास्थ्य मंत्रालय अब खुद सवालों के घेरे में है। पहली बार इन विशेषज्ञों द्वारा पेंटावैलेंट को असुरक्षित कहे जाने की पुष्टि सरकारी जांच में भी हो गई है। जांच में तीन बच्चों की मौत को पेंटावैलेंट टीकाकरण से संबंधित पाया गया है और इनमें से एक मौत का वर्गीकरण तो सीधे 'वैक्सीन रिएक्शन' के तौर पर ही किया गया है। अब सवाल यह है कि क्या अब सरकार चेत जाएगी और इस वैक्सीन को देशव्यापी तौर पर शुरू करने से पहले इसकी ठीक से जांच करेगी या फिर 54 नवजातों की मौत, पेंटावैलेंट के दुष्प्रभावों और जन स्वास्थ्य विशेषज्ञो की चिन्ताओं को दरकिनार करके सिर्फ डब्ल्यूएचओ के दवाब में इस वैक्सीन का प्रयोग जारी रखेगी....

पेज 2 पर जारी

ऑस्ट्रेलिया पुलिस को किसकी तलाश भारत ले आई...

पढ़िए पेज 6 पर

सात साल के बच्चे ने मंदिर के बीचो-बीच ऐसा क्या बनाया कि स्कूल में सब हैरान रह गए...

पेज 5 पर पढ़िए....

दो महीने से जंतर मंतर पर क्यों डटी है केरल की जसीरा

जानिए पेज 7 पर...